

रक्तपुनर्नवा स्त्री. (तत्.) लाल रंग की पुनर्नवा, विषखपरा।

रक्तप्रमेह पुं. (तत्.) पुरुषों का एक मूत्र रोग जिसमें मूत्र से खून आता है, रक्तमेह।

रक्तप्रदर पुं. (तत्.) आयु. स्त्रियों के गर्भाशय का रोग जिसमें गर्भाशय से लाल द्रव बहता रहता है, यह रोग दो प्रकार का होता है- रक्त प्रदर और श्वेत प्रदर।

रक्तबीज पुं. (तत्.) 1. दाने वाला अनार, लाल बीजों वाला अनार 2. शुंभ और निशुंभ का एक वरदान प्राप्त सेनापति जिसके शरीर के रक्त की जो भी बूंद जमीन पर गिरती थी उससे रक्तबीज जैसा एक नया असुर पैदा हो जाता था, दुर्गा देवी ने युक्ति पूर्वक रक्तबीज का वध किया था।

रक्तभव वि. (तत्.) खून से उत्पन्न, मांस, गोश्त।

रक्तभीति स्त्री. (तत्.) मनो. एक प्रकार की मानसिक विकृति जिसमें रोगी खून को देखकर बिना कारण डरता है।

रक्तमुख वि. (तत्.) लाल मुँह वाला, जिसका मुख, चेहरा लाल रंग का हो, बंदर की एक ऐसी प्रजाति।

रक्तलवक पुं. (तद्.) जीव. रक्तवलय जिसमें सामान्यतया लाल पर्णपीतकाय वर्णक (पिगमेंट) होता है जो विशेषकर कुछ मछलियों और पपड़ीदार (शल्कयुक्त) जीवों में पाया जाता है।

रक्तलोचन वि. (तत्.) 1. लाल आंखें, रक्त दृग वाला 2. कोयल, कबूतर 3. चकोर 4. सारस।

रक्तवमन वि. (तत्.) खून की उल्टी होना, वमन में रक्त आना।

रक्तवर्णाधता स्त्री. (तत्.) आयु./मनो. आंखों का दृष्टि दोष जिसमें व्यक्ति लाल रंग को न पहचान सके या उसे लाल रंग न दिखाई दे।

रक्तवृष्टि स्त्री. (तद्.) आकाश में लाल रंग के पानी या खून की वर्षा।

रक्तस्राव पुं. (तत्.) शरीर के किसी भी अंग से रक्त बहना या निकलना जो शिरा, धमनी,

किसी नस, मांस, चर्म के कट जाने या घाव हो जाने से निकलता है, शरीर की कोई आंतरिक बीमारी, आघात के कारण यह कान, नाक, या मल निष्कासन द्वारों से भी निकल सकता है।

रक्तहनवि. (तत्.) खून का नाश करने वाला, जिससे रक्त नष्ट हो, रक्तनाशक।

रक्तातिसार पुं. (तत्.) आयु. एक प्रकार का अतिसार रोग जिसमें खून के दस्त होते हैं।

रक्ताभ वि. (तत्.) हल्के लाल रंग का, रक्त आभा वाला, जिसमें कुछ लाली हो, जो लाल रंग का दिखाई दे।

रक्तार्थ वि. (तत्.) आयु. खूनी बवासीर, बवासीर रोग जिसमें गुदा द्वार से मल निष्कासन के समय रक्तस्राव होता है।

रक्तिका स्त्री. (तत्.) 1. घुँघची 2. रत्ती, रत्ती के बराबर तौल, इसे गूँजा, गुंजिका, कांची, घुँगजी भी कहते हैं, इस पौधे का बीज लाल रंग का रत्ती भर का होता है, और इसी रत्ती के कारण इसकी तौल रत्ती भर या रत्ती के बराबर कही जाती है।

रक्तिम वि. (तत्.) लाली लिए हुए, लालिमा युक्त, लाल रंग का।

रक्तिमा स्त्री. (तत्.) लालिमा, ललाई, लाली।

रक्तोत्पल वि. (तत्.) रक्तकमल, लाल कमल।

रक्ष पुं. (तत्.) 1. रक्षक, रखवाला 2. रक्षा, रखवाली।

रक्षक वि. (तत्.) 1. रक्षा करने वाला 2. पहरा देने वाला 3. पालन-पोषण कर सहारा देने वाला पुं. पहरेदार, चौकीदार प्राणी. जीव को रोगजनक कीट या कीटाणु के संक्रमण से बचाने वाला कोई पदार्थ।

रक्षण पुं. (तत्.) 1. सुरक्षा 2. पालन पोषण 3. चौकसी 4. रक्षा करने वाला भाव या क्रिया।

रक्षणीय वि. (तत्.) 2. जो रक्षा करने के योग्य हो 2. जिसकी रक्षा की जानी अपेक्षित हो या आवश्यक हो 3. जो किसी कार्य के निमित्त गृह या कार्यालय आदि में रखे जाने योग्य हो।